प्रेस कॉन्फ्रेंस

इंदौर : 28 मई 2026

“ट्रिपल इंजन नहीं... ट्रिपल अराजकता!”

“देश का सबसे स्वच्छ शहर... लेकिन नलों में ज़हर!”

नमस्कार साथियों,

आज मैं इंदौर की जनता की तरफ से एक ऐसा सवाल लेकर खड़ा हूं...

जिसका जवाब भाजपा सरकार को देना ही पड़ेगा।

क्योंकि मामला राजनीति का नहीं...

जनता की जिंदगी का है।

शुरुआत एक सीधे सवाल से...

इंदौर में

प्रभारी मंत्री भाजपा के,

नगरीय प्रशासन मंत्री भाजपा के,

सांसद भाजपा के,

सभी विधायक भाजपा के,

नगर निगम भाजपा का,

राज्य सरकार भाजपा की,

केंद्र सरकार भाजपा की...

फिर भी...

देश का सबसे स्वच्छ शहर अपनी जनता को शुद्ध पानी क्यों नहीं दे पा रहा?

इंदौर की हालत बता रही है?

यहां ट्रिपल इंजन नहीं...

“ट्रिपल अराजकता” है।

क्योंकि

सत्ता भी आपकी,

सिस्टम भी आपका,

प्रशासन भी आपका...

लेकिन नल से पानी नहीं, बीमारी आ रही है।

अब रिपोर्ट की सच्चाई सुनिए...

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने इंदौर में व्यापक जल परीक्षण अभियान चलाया।

7 शहरी विधानसभा क्षेत्र

29 वार्ड

240 पानी के सैंपल

स्थानीय लोगों की मौजूदगी में, वीडियो रिकॉर्डिंग के साथ, तकनीकी SOP के तहत सैंपल लिए गए।

और जो परिणाम आए... वे बेहद भयावह हैं।

98% सैंपल फेल

जी हां...

98 प्रतिशत पानी के सैंपल "NOT DRINKABLE" पाए गए।

यह कोई छोटी तकनीकी त्रुटि नहीं है।

यह इंदौर की जनता के स्वास्थ्य पर सीधा हमला है।

पानी में क्या मिला?

रिपोर्ट के अनुसार पानी में पाए गए:

E. Coli

Coliform Bacteria

अत्यधिक Chloride

Sulphate

$CaCO_3$

इसका मतलब क्या है।

इसका अर्थ है -

सीवेज और पानी का मिलना,

पाइपलाइन लीकेज,

जल शोधन की विफलता,

और पूरे सिस्टम का सड़ जाना।

भाजपा बताए...

देश का सबसे स्वच्छ शहर...

क्या अब "सबसे संक्रमित पानी वाला शहर" बन रहा है?

यह केवल झुग्गियों की समस्या नहीं

रिपोर्ट में जिन क्षेत्रों के सैंपल फेल मिले उनमें शामिल हैं -

सुदामा नगर

तिलक नगर

खजराना

गोयल विहार

पटकर कॉलोनी

बंगंगा

स्कीम 71

रेसकोर्स रोड

सरकारी अस्पताल क्षेत्र

यानी कि -

गरीब भी प्रभावित,

मध्यम वर्ग भी प्रभावित,

विकसित कॉलोनियां भी प्रभावित।

यह पूरे इंदौर शहर की समस्या है।

मुख्यमंत्री से सवाल

आप इंदौर के प्रभारी मंत्री हैं।

क्या आपको पता है कि इंदौर की जनता क्या पी रही है?

क्या आपने :

जल गुणवत्ता की समीक्षा की?

स्वास्थ्य विभाग से रिपोर्ट मांगी?

आपात जांच करवाई?

या आप केवल मंचों और इवेंट्स तक सीमित हैं?

नगरीय प्रशासन मंत्री से सवाल

कैलाश विजयवर्गीय जी, आप नगरीय प्रशासन मंत्री भी हैं... और इंदौर के विधायक भी।

नगर निगम भी आपका... विभाग भी आपका...

फिर जवाब कौन देगा?

यदि इंदौर में पानी जहरीला है... तो जिम्मेदार कौन है?

क्या आपको भागीरथपुरा के जरिए मिली अंतरराष्ट्रीय बदनामी का इतना डर बैठ गया कि आप पानी की ऐतिहासिक कमी की इस नई कहानी में कोई भी किरदार निभाना ही नहीं चाहते!

क्यों आपने अब तक कोई दखल नहीं दिया? क्यों आपने अपने "ज्ञानी" महापौर को तलब नहीं किया? क्यों आप अपनी विधानसभा में अब तक पीड़ित परिवारों के मटकों तक नहीं पहुंचे?

इंदौर के सांसद से सवाल

इंदौर की जनता ने आपको संसद भेजा था...

क्या इसलिए कि

जनता दूषित पानी पिए?

बच्चे बीमार हों?

परिवार संक्रमण झेले?

जब इंदौर के नलों में “E.Coli” और “Coliform” जैसे बैक्टीरिया पाए जा रहे थे...

तब इंदौर के सांसद जी कहां थे?

क्या आपने संसद में आवाज उठाई?

क्या केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को लिखा?

क्या जल शक्ति मंत्रालय से जांच मांगी?

क्या जनता को चेतावनी दी?

या केवल फोटो और उद्घाटन तक राजनीति सीमित रही?

इंदौर भाजपा विधायकों से सवाल

इंदौर के भाजपा विधायक रोज कहते हैं:

"इंदौर नंबर-1 है"

मैं पूछना चाहता हूं क्या "नंबर-1" शहर अपनी जनता को पीने लायक पानी भी नहीं दे सकता?

जनता ने आपको वोट दिया था...

लेकिन आपने बदले में "नलों में बीमारी" दे दी।

मैं इंदौर के हर भाजपा विधायक से मांग करता हूं

सभी अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र की

पानी की रिपोर्ट सार्वजनिक करें,

जल गुणवत्ता जांच कराएं,

जनता को बताएं कि उनके विधानसभा क्षेत्र और वार्ड का पानी सुरक्षित है या नहीं।

क्या विधायक अपने घर का पानी पीने को तैयार हैं?

मैं खुली चुनौती देता हूं

क्या भाजपा के विधायक और सांसद कैमरे के सामने वही पानी पीने को तैयार हैं जो जनता के घरों में सप्लाई हो रहा है?

यदि पानी सुरक्षित है... तो जनता के बीच बैठकर वही पानी पीजिए।

शर्मनाक यह है कि

भाजपा वर्षों से कहती रही

"इंदौर नंबर-1 है" "इंदौर मॉडल है"

लेकिन आज सच्चाई यह है कि

शहर चमक रहा है...

लेकिन पाइप-लाइन सड़ रही है।

जनता टैक्स देती है... बदले में क्या मिलता है?

इंदौर की जनता

टैक्स देती है,

बिजली बिल देती है,

पानी का बिल देती है...

लेकिन बदले में क्या मिलता है?

गंदा पानी,

बीमारी,

संक्रमण,

और सरकारी विज्ञापन।

रिपोर्ट में कौन सी बीमारियों का खतरा बताया गया?

डायरिया

हैजा

टाइफाइड

पीलिया

हेपेटाइटिस A और E

पेचिश

और गंभीर मामलों में... मौत तक की आशंका।

भागीरथपुरा की मौतें याद हैं?

जब लोगों की मौतें हुईं... तब सरकार ने क्या किया?

क्या वैज्ञानिक जांच हुई?

क्या जल स्रोतों की जांच हुई?

क्या जनता को अलर्ट किया गया?

या सब दबा दिया गया?

अब सबसे बड़ा सवाल

मैं जानता हूं कि सरकार इस रिपोर्ट पर सवाल उठाएगी,

इसीलिए अभी से कह रहा हूं यदि यह रिपोर्ट गलत है...

तो सरकार अपनी लैब रिपोर्ट सार्वजनिक करे।

और यदि यह रिपोर्ट सही है...

तो जिम्मेदार अधिकारियों पर FIR दर्ज हो।

कांग्रेस की मांगें

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी मांग करती है

1. पूरे इंदौर का स्वतंत्र जल ऑडिट कराया जाए।

2. हर वार्ड की पानी रिपोर्ट सार्वजनिक हो।

3. जहां पानी दूषित मिला वहां शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जाए।

4. पुरानी पाइपलाइन और सीवेज नेटवर्क का तकनीकी ऑडिट हो।

5. जिम्मेदार अधिकारियों पर आपराधिक कार्रवाई हो।

6. भागीरथपुरा सहित संदिग्ध मौतों की न्यायिक जांच हो।

साथियों,

भाजपा ने इंदौर को पोस्टर में चमकाया...

लेकिन पाइपलाइन में जहर भर दिया।

आज स्थिति यह है कि -

“स्वच्छता की ट्रॉफी” तो है...

लेकिन जनता के गिलास में सुरक्षित पानी नहीं है।

और मैं भाजपा सरकार को चेतावनी देना चाहता हूं

यदि इंदौर की जनता को शुद्ध पानी नहीं मिला...

यदि सच छुपाया गया...

यदि जिम्मेदारों पर कार्रवाई नहीं हुई...

तो कांग्रेस इस मुद्दे को

सड़क पर,

विधानसभा में,

संसद में,

और जनता की अदालत में उठाएगी।

क्योंकि यह केवल पानी का मुद्दा नहीं...

यह जनता के "जीने के अधिकार" का मुद्दा है।

###